

8044

Question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

of Question Paper : 7007

IC

Paper Code : 62051103

of the Paper : Hindi 'B'

of the Course : B.A. (Prog.) CBCS

er : I

घंटे

पूर्णांक : 75

लिए निर्देश

प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक
लिए ।

ती प्रश्न अनिवार्य हैं ।

नलिखित में से किन्हीं तीन अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(10 + 10 + 10 = 30)

1) पोथी पढ़ि-पढ़ि जग मुवा, पंडित भया न कोइ

ढाई आखर प्रेम का, पढ़ै सो पंडित होइ ॥

अथवा

P.T.O.

रथ हाँकेउ हयं राम तन हेरि-हेरि हिहिनाहिं

देखि निषाद बिषादबस धुनहिं सीस पछिताहिं ॥

(ख) सजि चतुरंग-सैन अंग में उमंग धारि, सरजा सिवाजी जंग जीत
हैं

भूषन भनत नाद-विहद नगारन के, नदी नद मद गैवरन के
हैं ।

ऐल फैल खैल भैल खलक में गैल-गैल, गजन की ठैलपै
उसलत हैं ।

तारा सो तरनि धूरि - धारा में लगत जिमि, धारा पर पारा
यों हलत हैं ॥

अथवा

बतरस-लालच लाल की मुरली धरी लुकाइ ।

सौंह करैं भौंहन हंसै, दैन कहैं नटि जाइ ॥

(ग) यह मेरी गोदी की शोभा, सुख सुहाग की है लाली

शाही शान भिरवारिन की है, मनोकामना मतवाली ।

अथवा

काट अन्ध-उर के बन्धन-स्तर

बहा जननि, ज्योतिर्मय निर्झर

कलुष-भेद तम हर प्रकाश भर

जगमग जग कर दे ॥

2. तुलसीदास अथवा कबीर की रचनाओं के काव्य-सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए। (10)
3. बिहारी अथवा भूषण के काव्य का प्रतिपाद्य लिखिए। (10)
4. 'बालिका का परिचय' अथवा 'वर दे वीणावादिनी' कविता के साहित्यिक सौंदर्य पर प्रकाश डालिए। (10)
5. किसी एक पर टिप्पणी लिखिए : (5)
 - (i) हिंदी भाषा का उद्भव ;
 - (ii) अवधी ।
6. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : (5 + 5 = 10)
 - (क) भक्तिकाल ;

P.T.O.

(ख) भारतेन्दु युग ;

(ग) प्रगतिवाद ;

(घ) छायावाद ।